शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

unicef for every child

IGNUS
KNOWLEDGE EMPOWERS

Targeted Enhancement In Learning Outcomes For Students (TELOS)

Through Capacity Enhancement In Teacher Support Institutions And Education Department Towards Onsite Support And Monitoring Of Pedagogical Practices

सपोर्टिव सुपरविजन में सुधार के जरिये विद्यार्थियों के अधिगम परिणामों में लक्षित संवर्धन

सर्व शिक्षा अभियान, सीमैट एलाहाबाद, एससीईआरटी, यूनिसेफ की सहभागिता और इग्नस पहल के तकनीकी सहयोग से उत्तर प्रदेश के पाँच ज़िलों— वाराणसी, आगरा, इलाहाबाद, जीबी नगर और बरेली में प्रोजेक्ट TELOS (TARGETTED ENHANCEMENT IN LEARNING OUTCOMES FOR STUDENTS) को क्रियान्वित किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट को पिछले साल जुलाई 2017 से दिसंबर 2017 तक इन ज़िलों के चुनिन्दा प्रखंडों में किए गए पायलट अध्ययन के सकारात्मक परिणामों के आधार पर सर्व शिक्षा अभियान और UNICEF ने मिलकर इसे इन ज़िलों के 40% प्राइमरी स्कूलों में क्रियान्वित करने का निर्णय लिया गया है।

प्रोजेक्ट के मुख्य उद्देश्य

यह प्रोजेक्ट तीन वर्ष के परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है जिसमें प्रथम वर्ष में निम्न उद्देश्य प्राप्त किए जाने हैं –

1. कक्षा 3 और 5 के विद्यार्थियों की भाषा और गणित विषयों के विशिष्ट अर्थात चुने गए उच्च स्तरीय अधिगम परिणामों में NAS 2017 के सापेक्ष 3% से ज्यादा बेहतर करना। अगले दो वर्षों के लिए क्रमशः 5% और 8% से ज्यादा बेहतरी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
2. विद्यार्थियों के इन लक्षित (टार्गेटेड) उच्च स्तरीय अधिगम परिणामों के सापेक्ष शिक्षकों के कार्य-निष्पादन को बेहतर करने के लिए एबीआरसी, सीआरसी की सहयोगात्मक पर्यवेक्षण (सपोर्टिव सुपरविजन) के प्रदर्शन मानकों व संकेतकों में कम से कम 25% का सुधार लाना। इसका तात्पर्य यह है कि कम से कम एक चौथाई एबीआरसी, सीआरसी इन मानकों पर स्तर 1 से स्तर 3 तक का सुधार दर्ज कर पाएँगे। अगले दो वर्षों के लिए यह लक्ष्य क्रमशः 50% और 75% निर्धारित किया गया है।

प्रोजेक्ट कवरेज

यह प्रोजेक्ट प्रथम वर्ष में ज़िले के 40% विद्यालयों में क्रियान्वित होगा। हर ब्लाक के हर न्याय पंचायत से 40% विद्यालय निम्न अधिगम संप्राप्ति के आधार पर चुने जाएँगे। अगले तीन वर्षों मे प्रोजेक्ट का आच्छादन परिदृश्य क्रमशः 75% और 100% हो जाएगा। इस साल यह प्रोजेक्ट प्रदेश के 3294 स्कूलों में लागू किया जा रहा है, ज़िलेवार संख्या नीचे दी जा रही है:

क्रम	जिले का नाम	कुल स्कूल	40% स्कूल
1	इलाहाबाद	2517	1007
2	आगरा	2094	838
3	बरेली	2109	844
4	वाराणसी	1036	414
5	गौतमबुद्ध नगर	478	191
	कुल योग		**3294**

प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के सहभागी

1. **सर्व शिक्षा अभियान उत्तर प्रदेश:** सर्व शिक्षा अभियान की सहमति के आधार पर यह प्रोजेक्ट UNICEF उत्तर प्रदेश और SIEMAT (State Institute of Educational Management and Training) Allahabad मिलजुल कर इग्नस पहल के तकनीकी सहयोग से क्रियान्वित कर रहे हैं। सर्व शिक्षा अभियान द्वारा प्रोजेक्ट की विविध गतिविधियों व उनके के लिए बजट (PAB-MHRD Project Approval Board) द्वारा स्वीकृति भी करा ली गयी है। इस सन्दर्भ में सर्व शिक्षा अभियान द्वारा सम्बंधित ज़िलों को जल्दी ही एक विस्तृत निर्देश पत्र जारी किया जा रहा है।

2. **डीआरटी (डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स टीम), ज़िला समन्वयक (प्रशिक्षण)** और **बीआरटी (ब्लाक रिसोर्स टीम):** ज़िले और ब्लाक स्तर पर इन रिसोर्स टीमों के गठन को सर्व शिक्षा अभियान की तरफ़ से नीतिगत स्वीकृति मिल चुकी है तथा इनमें DIET, बीईओ, एबीआरसी, सीआरसी तथा सक्रिय शिक्षक शामिल होंगे। ज़िला समन्वयक (प्रशिक्षण) प्रोजेक्ट में ज़िला स्तर पर समन्वयन का कार्य करेंगे।

3. **इग्नस पहल टीम:** टीम में स्टेट रिसोर्स ग्रुप और डिस्ट्रिक्ट कोर्डिनेटर शामिल हैं। डिस्ट्रिक्ट कोर्डिनेटर प्रोजेक्ट को ज़िले स्तर पर समन्वित और क्रियान्वित करेगा। स्टेट रिसोर्स ग्रुप राज्य स्तरीय कार्यशालाओं में विभिन्न स्टेकहोल्डर्स के साथ प्रोजेक्ट की पार्टीसिपेटरी प्लानिंग, लक्षित अधिगम उद्देश्यों पर और सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के लिए विभिन्न प्रकार के कारगर इनपुट्स देने और प्रोजेक्ट को रणनीतिक दिशा देने के लिए जिम्मेदार है। इस टीम का नेतृत्व श्री सुबीर शुक्ला (भूतपूर्व प्रमुख सलाहकार-एमएचआरडी) और श्री सुरेन्द्र प्रसाद सिंह (वरिष्ठ शिक्षाशास्त्री) कर रहे हैं। प्रोजेक्ट को जनपद स्तर पर इग्नस पहल की तरफ़ से हर ज़िले में एक प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर नियुक्त किया गया है जो ज़िला समन्वयक (प्रशिक्षण) और UNICEF टीम और DRT के साथ मिलकर ज़िले में शैक्षिक सुधार की गतिविधियों को सपोर्ट करेंगे।

प्रमुख गतिविधियाँ

1. डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स टीम के लिए त्रैमासिक अवधि पर तीन राज्य स्तरीय कार्यशालाएँ – इनमें भाषा और गणित की पेडागॉजी पर उच्च स्तरीय समझ बनाना, सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की प्रविधियों पर सहमति, शिक्षकों की दक्षता की बेहतरी और प्रोजेक्ट की सावधिक प्रगति का मूल्यांकन और प्रोजेक्ट की दिशा का निर्धारण किया जाएगा।
2. डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स टीम द्वारा ज़िला स्तर पर हर ब्लाक से चुने गए बीआरटी (एबीआरसी, बीआरटी और सीआरसी) की ट्रेनिंग + इग्नस पहल टीम और UNICEF टीम द्वारा सपोर्ट।
3. बीआरटी द्वारा शिक्षकों की ट्रेनिंग + डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स टीम द्वारा सपोर्ट।
4. हर स्तर पर निष्पादन के संकेतकों (पर्फार्मेंस इंडिकेटर्स) का निर्माण और उनका अनुपालन। शिक्षक के कार्य निष्पादन के सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के लिए संकेतकों का निर्माण और उनका सीआरसी द्वारा पर्यवेक्षण। सीआरसी का एबीआरसी द्वारा और एबीआरसी का डीआरटी और ज़िला समन्वयक द्वारा पर्यवेक्षण किया जाएगा। डीआरटी के निष्पादन की समीक्षा इग्नस पहल, UNICEF सलाहकार टीम तथा SSA द्वारा की जाएगी।
5. बच्चो के सीखने के स्तर, शिक्षक और विविध स्तर की सुपरविजन टीमों (सीआरसी, बीआरसी और DIET) के परफॉरमेंस का प्रोजेक्ट की शुरुआत में बेसलाइन और माह मार्च 2019 में इंडलाइन असेसमेंट किया जायेगा। तुलनात्मक प्रोग्रेस के नतीजों के आधार पर अगले साल के क्रियान्वयन की रणनीतियाँ तय की जायेंगी।

शिक्षा और शैक्षिक प्रशासन के महत्वपूर्ण सहभागियों की सहभागिता से इस प्रोजेक्ट को क्रियान्वित किया जाना है। इस प्रोजेक्ट की विशिष्टता यह है कि इसमें उच्च स्तरीय अधिगम लक्ष्यों को लक्षित करके उनमें अपेक्षित सुधार को पहले से ही तय कर दिया गया है। अब इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए शैक्षिक प्रक्रियाओं, प्रविधियों और पर्यवेक्षण तथा प्रशिक्षण के तरीकों के लिए निरंतर और आवश्यकता आधारित इनपुट्स देने कि बात की जा रही है। शिक्षकों के प्रेरणा स्तर, उनके सीखने के तरीके, उनके व्यवहार में बदलाव के कार्यात्मक उपागमों पर लगातार समझ और अनुसंधान के बाद इस प्रोजेक्ट का संधान किया गया है।

प्रोजेक्ट में रियल टाइम मॉनिटरिंग प्रमुख पहलू है। हर स्तर (शिक्षक, सीआरसी, बीआरसी, DIET) के प्रदर्शन का आकलन मोबाइल बेस्ड टूल्स के जरिये हर माह किया जायेगा तथा विविध स्तर पर सपोर्ट टीमों को उनके चाहे गये मुद्दों पर इनपुट और सपोर्ट प्रदान किया जायेगा।

अगर यह प्रोजेक्ट सफल रहा तो इसे प्रदेश के बाकी ज़िलों और दूसरे प्रदेशों में भी लागू किये जाने की सहमतियाँ हैं।

इग्नस पहल टीम आप सब के सुझावों और समर्थन की हृदय से आकांक्षी है!

उत्तर प्रदेश में हमारे कार्यालय हैं:

ग्रुप इग्नस (रीजनल आफिस):
बड़ागाँव मार्केट (इंडियन आयल पेट्रोल पंप के पास)
वाराणसी, उत्तर प्रदेश - 221204
संपर्क: +91 7985532623, ignuspahal@gmail.com

इग्नस (क्षेत्रीय कार्यालय):
11 बी - 217, वृन्दावन योजना फेज-3
रायबरेली रोड, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226025
सम्पर्कः +91 7617077888, ignusergindia@gmail.com